भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1423

जिसका उत्तर 27 नवम्बर, 2019 को दिया जाना है

बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति

1423. **डॉ॰ अमर सिंहः**
श्री अजय निषादः

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा चालू वर्ष के दौरान कोयला उत्पादन के लिए क्या लक्ष्य तय किया गया है;

(ख) क्या बिजली क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन पर्याप्त है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा देशभर के कोयला–चालित बिजली संयंत्रों में सूचित कोयले की कमी को ध्यान में रखते हुए कोयला भंडारों में वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या वैगन की अनुपलब्धता के कारण पिट हेड और रेलवे साइडिंग में कोयले की भारी मात्रा पड़ी हुई है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

<u>उत्तर</u>

<u>संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री</u>

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) : चालू वर्ष के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन लक्ष्य 660 मिलियन टन (मि.ट.) निर्धारित किया गया है।

(ख) तथा (ग) : चालू वित्तीय वर्ष के लिए विद्युत क्षेत्र हेतु विद्युत मंत्रालय द्वारा 530 मि.ट. लक्ष्य दिया गया है।

चालू वर्ष (अप्रैल-अक्तूबर, 2019-20) के दौरान सीआईएल स्रोतों से विद्युत क्षेत्र को किया जाने वाला प्रेषण गत वर्ष के 276.84 मिलियन टन की तुलना में 253.02 मिलियन टन और एससीसीएल स्रोतों से अप्रैल-अक्तूबर, 2019-20 के दौरान विद्युत क्षेत्र को कोयले का प्रेषण 29.82 मि.ट. रहा है जबकि पिछले वर्ष यह 30.15 मि.ट. था। तथापि, कोयला क्षेत्र को कोयले के प्रेषण में हुई कमी से विद्युत गृहों में कोयले की उपलब्धता की स्थिति प्रभावित नहीं हुई है।

वर्तमान में, विद्युत गृहों में भंडार 20.11.2019 की स्थिति के अनुसार 22.91 मि.ट. है जो नाजुक सूची के अंतर्गत 04 विद्युत संयंत्रों के पास 14 दिन की खपत के बराबर है जबकि गत वर्ष इसी दिन नाजुक श्रेणी में आने वाले 26 विद्युत संयंत्रों के पास 11.74 मिलियन टन का भंडार था जो 07 दिनों की खपत के बराबर है।

(घ) से (च) : सीआईएल में उत्पादित अधिकांश कोयला भारतीय रेलवे के साथ निकट समन्वय से रेल के द्वारा गंतव्य के लिए प्रेषित किया जाता है। इस समय, उपलब्ध कोयले की मात्रा की ढुलाई के लिए वैगनों की उपलब्धता सहित रेलवे अवसंरचना पर्याप्त है। गत वर्षों में कोयले के उत्पादन में वृद्धि के साथ रेलवे अवसंरचना में भी सुधार हुआ है। कोल इंडिया लिमिटेड ने भी तोरी-शिवपुर और झारसूगुआ - बारापल्ली - सरडेगा जैसी विभिन्न रेल लाईनें बिछाने में भारी निवेश किया है।

*****